वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 133 | शुक्रवार 6 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह आयोजित

राज्यपाल ने उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया

राज्यपाल ने कहा, शिक्षकों का सम्मान स्वस्थ परम्परा है, आजादी के मतवाले प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी के जीवन को गढ़ते हैं। वे उन्हें संस्कारित कर सुनागरिक बनाते हैं। इसलिए शिक्षक समाज में वंदनीय है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान स्वस्थ परम्परा है। शिक्षक बच्चों के भविष्य का निर्माण करते हैं। बागडे गुरूवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय बान्दर सिन्दरी किशनगढ़ में आयोजित टीचर एक्सीलेंस अवार्ड सेरिमनी के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया और आजादी के मतवाले प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व उत्सर्ग करने वाले देशभक्तों के योगदान को इसमें प्रदर्शित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी का इतिहास 1857 से लेकर 1947 तक करीब नब्बे साल का रहा है। इसे सभी को पढना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का प्रदर्शन देखकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ है। इसे भविष्य में भी बनाए रखने की कामना की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। किसी भी राष्ट्र के

लिए वहां की उच्च शिक्षा समृद्ध सांस्कृतिक और वैज्ञानिक संपत्ति है। इससे विद्यार्थियों का व्यक्तिगत विकास ही नहीं होता बल्कि देश भी आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक रूप में सुदृढ होता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा कल का राष्ट्र उपासक और संरक्षक बने। यही नीति शिक्षा देने वाले शिक्षको की भी हो। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने में समर्थ करने वाली शिक्षा का प्रसार हमारे यहां किया जाए। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) के सहयोग से 700 किलो वाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट का लोकार्पण भी किया। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द भालेराव ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से गुरु शिष्य परम्परा रही है। इसके माध्यम से मिले वेद, विज्ञान, कला, ज्योतिष एवं साहित्य के ज्ञान ने भारत को विश्व गुरु बनाया। समारोह में आईआईटी रूड़की के प्रो. कौशिक पाल, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा की डॉ. अनिता कुमारी और एमएनआईटी जयपुर की डॉ. निरजा सारस्वत को टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. रविन्द्र नाथ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

अल्प आहार से या उपवास से प्रमाद कम होकर विचार शक्ति बढ़ती है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

आचार्य शांति सागर समधि दिवस समारोह मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने 5सितंबर को आचार्य शांति सागर समधि दिवस समारोह के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, आचार्य शांति सागर का जन्म वर्ष 1873 में यालागुडा गाँव (भोज), कर्नाटक में हुआ था। उनकें पिता का नाम भीमगौडा पाटिल और माता का नाम सत्यवती था। नौ वर्ष की आयु में इच्छा के विरुद्ध इनकी शादी कर दी गयी थी। जिनसे शादी करी गयी थी, उनकी 6 माह पश्चात ही मृत्यु हो गयी थी। इसके पश्चात इन्होने कभी शादी नहीं की और आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया। 1912 में इनकी माता का देहांत हो गया था, जिससे कुछ समय पूर्व पिता का भी हो गया था। मुनि दीक्षा 2 मार्च 1920 में, आचार्य दीक्षा 8 अक्टूबर 1924 में एवं समता पूर्वक समाधि भाद्रपद कृष्ण द्वितीया वर्ष 1955 में हुई। मुनि श्री ने आचार्य श्री की चर्या के बारे में

बताया कि व्रतपरिसंख्यान का पालन कर आहार करते थे। आचार्य श्री कहते थे कि अल्प आहार से या उपवास से प्रमाद कम होकर विचार शक्ति बढ़ती है। इससे उपवास आदि की उपयोगिता स्पष्ट हो जाती है जब प्रमाद कम हुआ और विचार शक्ति की वृद्धि हुई तो आत्मा अपनी ओर उन्मुख होने की सामग्री प्राप्त कर लेता है। आज भगवान का दर्शन यहां नहीं है श्रुतकेवलि नहीं है, तब कल्याण का क्या मार्ग होगा ? इसका स्पष्टीकरण करते हुए आचार्य श्री ने कहा भगवान की वाणी की शरण लो। उस वाणी में बड़ी शक्ति है। उसके अनुसार काम करो। जो इच्छा होगी, वह मिलेगा मार्ग से चलो, तो मोक्ष सरल है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व परम पूज्य आचार्य श्री व मुनि संघ की पूजन एवं आरती बड़े भक्ति भाव से विधानाचार्य पंडित अजित जी के निर्देशन में श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुगार्पुरा जयपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया मंत्री रानी सोगानी के निर्देशन में सुसज्जित किये अष्ट द्रव्य से ट्रस्ट, महिला मण्डल एवं समाज के सभी उपस्थित श्रेष्ठीजन ने की। पूजन से पूर्व मुनिश्री के पाद प्रक्षालन, दीप प्रज्वलन एवं शास्त्र भेंट करने का पुण्यार्जन कमल छाबड़ा डॉ. वन्दना जैन, हितेश जी, अनिरुद्ध जी परिवार को प्राप्त हुआ। षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सांयकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन ''आचार्य'' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मनाया शिक्षक दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। नचिकेतन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सदियों से चले आ रही गुरू-शिष्य परंपरा को ध्यान में रखते हुए शिक्षक दिवस के पावन पर्व पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबील दास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार मोहराना, प्राचार्य सत्यनारायण पारीक, परमिन्द्र सिंह सिद्धु व कपिल सुथार ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित तथा पुष्प अर्पित कर किया। उसके बाद गुरू वंदना व स्वागत गीत नचिकेतन सा-रे-गा-मा टीम की तरफ से प्रस्तुत किया गया व सभी शिक्षकों का विद्यार्थियों ने तिलक तथा बैज लगाकर सम्मान किया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सभी अध्यापकों व सहकर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय

निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु ने बताया कि इस विशेष अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जो काफी आकर्षक थे। इसके साथ-साथ विद्यालय में अब तक हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। शिक्षकों के मनोरंजक गेम में पुरूष अध्यापक में संदीप कुमार व महिला अध्यापिका में बबीता मैहता विजेता रहे। विजेताओं को प्रबंधन समिति द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राचार्य सत्यानारायण पारीक ने बच्चों को संम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए व उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए क्योंकि अध्यापक ही वह व्यक्ति है जो किसी भी इंसान को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा सकता है व उनका भविष्य स्वर्णिम बना सकता है। अतः हमें केवल एक विशेष दिन की बजाय हर रोज ही शिक्षक दिवस मनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रशासक अशोक कुमार मोहराना ने सभी उपस्थित जनों का धन्यावाद किया।

श्री वर्द्धमान पी.जी कन्या महाविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा ''शिक्षक दिवस'' का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा द्वारा माता सरस्वती एवं महान शिक्षाविद् सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्ण के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। ''शिक्षक दिवस'' के शुभ अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी.लोढ़ा ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि गुरू-शिष्य की परंपरा प्राचीन काल से समर्पण एवं आदर्श की पर्याय हैं। गुरु संसार की एक ऐसी व्याख्या है जिसके बिना व्यक्ति कुछ हासिल नहीं कर सकता है।उन्होंने कहा कि शिक्षक के बताए पदचिन्हों पर चल कर ही विद्यार्थी सफलता प्राप्त करते है। स्वागत की परंपरा को अपनाते हुए वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डा. नरेन्द्र पारख, वरिष्ठ पत्रकार रामप्रसाद जी कुमावत व समाजसेवी श्यामसुंदर शर्मा का माल्यार्पण कर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। अकादमिक प्रभारी डॉ नीलम लोढ़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री का माध्यम नहीं है। शिक्षक मात्र किताबी ज्ञान ही नहीं वरन जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करते है। इस अवसर पर छात्राओं ने महान शिक्षाविद् सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्ण का स्मरण कर शिक्षको को सम्मानित किया। कार्यक्रम में गीत-संगीत, शास्त्रीय और बॉलीवुड गानों पर सांस्कृतिक मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी।कार्यक्रम का संचालन विभिन्न संकाय में अध्ययनरत छात्राओं द्वारा किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, ऑफिस स्टाफ, समस्त कर्मचारीगण व छात्राएं उपस्थित रहीं।

आत्मा को पहचाने बिना धर्म का मार्ग नहीं मिल सकता: कंचनकंवरजी म.सा.

आत्मा की परवाह नहीं करते इसीलिए दुःखों का अंत नहीं होता: सुलोचनाजी म.सा.

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जब तक अपनी आत्मा को नहीं पहचानेंगे हम धर्म के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ पाएंगे। जिसने अपनी देह से आगे बढ़कर आत्मा को पहचान लिया उसका जीवन सफल हो गया। हम बाहरी सुख सुविधाओं का त्याग कर अपनी आत्मा के चिंतन में लीन होना होगा। ये विचार श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.ह्यमधुकरह्ल के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.ह्यभीमह्ल की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने महावीर भवन बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के पांचवे दिन गुरूवार को मेरा प्यारा परिवार विषय पर प्रवचन में व्यक्त किए। प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि मैं शब्द व्यक्ति के अभिमान का सूचक होता है। हम की भावना रखने वाला ही सबको साथ लेकर चल सकता है। हम बाहर से धर्मात्मा बन रहे पर अंदर से धर्म को भूल रहे इसीलिए लक्ष्य तक नहीं पहुंच रहे है। अपनी आत्मा को पहचानना होगा। अभी हम कई ऐसे कार्य करते जो अपनी आत्मा गवाह नहीं देती लेकिन हम उसकी परवाह नहीं करते इसलिए दुःखों का अंत नहीं हो पाता है। आत्मा को खोज लिया तो संसार में फिर कुछ और खोजने की जरूरत नहीं रह जाएगी। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने कहा कि आत्मा का कल्याण करने का लक्ष्य रखने वालों को निरन्नत धर्म साधना करनी चाहिए। धर्म की आराधना करने वाला अपनी आत्मा को पहचान सकता है।

डॉ. अल्पना जैन -अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक आरोग्य सामाजिक समाज रत्न पुरुस्कार से सम्मानित

मालेगांव नाशिक. शाबाश इंडिया

जैन जैनेतर समाज में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाली आयुर्वेदिक पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सक, विदुषी, कवियत्री, लेखिका, पत्रकार, समा सेविका, राष्ट्रीय हित चिंतक भक्तामर हीलर, प्राणी हीलर, रेकी चिकित्सक, मोटिवेशनल स्पीकर, आकाशवाणी वार्ताकार, दूरदर्शन तथा सकारात्मक सोच की धनी डॉ. जैन को उनके धार्मिक चिकित्सा सामाजिक धार्मिक क्षेत्र में किए गए अनेकों कार्य के लिए- अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक आरोग्य सामाजिक समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान अखिल भारतीय मारवाड़ी गुजराती मंच व महाराष्ट्र सांस्कृतिक ज्ञानपीठ ने अहिंसा प्रभावना की चिकित्सा संपादिका- डॉ. अल्पना मनीष जैन गंगवाल मालेगांव नाशिक को प.सा. नाट्यग्रह नाशिक (महाराष्ट्र) में स सम्मान प्रदान किया गया। डॉक्टर अल्पना जैन अनेक महत्वपूर्ण पदों पर गतिमान हैं - राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- जिनागम पंथी विद्वत महासंघ, श्री ऋषभदेव जैन विद्वत महासंघ, राष्ट्रीय महामंत्री- जनसेवा नैतिक कल्याण परिषद, राष्ट्रीय का.स. सोशल मीडिया फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय का.स.अथाई साहित्य एवं संस्कृति समन्वय समूह, जिला सचिव - भारतीय जनता पार्टी (जैन डॉक्टर्स) का. भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा तथा महासमिति, अध्यक्ष - अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच, मालेगांव समेत अनेकों उच्च पदों पर रहकर सेवा कार्य में संलग्न हैं। आप बच्चों की जैन संस्कृति संस्कार की नियमित पाठशाला भी लेती हैं। तथा अन्ध शाला के बच्चों को भी निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करती हैं। आपने तीन अंन्ध बच्चों व एक बुजुर्ग महिला को ऐडोप्ट किया है जिनका निःशुल्क उपचार कर रही हैं। डॉ.अल्पना जैन का जन्म स्थान- कुरावली, मैनपुरी उत्तर प्रदेश है। आप अपने नानाजी के यहां पली बढ़ी आपके नाना जी प्रतिष्ठित समाज सुधारक स्व. डॉ. रसिकलाल जी ज जैन पिताश्री डॉ. ताराचंद जी जैन, मातोश्री डॉ. चंद्रकांता जी जैन हैं। आप प्रसिद्ध विद्वान डॉ. सुशील जैन, डॉ. प्रदीप जैन, ज्योतिषाचार्य दिलीप कुमार जैन 'दीपक' की बहन हैं।

वेद ज्ञान

अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है। अज्ञानता दूसरे अर्थों में अनपढ़ता ही है, जिसके रहते समग्र जीवन में अंधकार, नैराश्य व भय व्याप्त रहता है।

संपादकीय

तत्काल न्याय...

कार्यपालिका और न्यायपालिका, दूसरे शब्दों में कहें, तो प्रशासन और न्यायपालिका में कुछ तनाव हमेशा से रहते आए हैं। प्रशासन मानता है कि व्यवस्था की कुछ ऐसी प्रक्रियाएं हैं, जो डर पैदा करके ही आगे बढ़ाई जा सकती हैं। जबकि, न्यायपालिका मानती है कि जो कुछ भी हो, कानून की प्रक्रिया के तहत ही हो। कई बार प्रशासन ऐसे काम करता है, जिसे तत्काल न्याय कहा जाता है। न्यायपालिका का कहना है कि न्याय करने का काम

उसका है, नागरिक प्रशासन का नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बुलडोजर न्याय पर जो टिप्पणियां की हैं, उनमें इसी तनाव की झलक देखी जा सकती है। अदालत ने इस तरीके को अपनाने की कड़ी निंदा की है। अदालत का कहना है कि कोई किसी जघन्य मामले का आरोपी या दोषी ही क्यों न हो, उसे कानून के दायरे में दंडित करने के दूसरे तरीके हो सकते हैं, लेकिन उसके घर को सिर्फ इसीलिए गिरा दिया जाना किसी भी तरह से वाजिब नहीं कहा जा सकता। हालांकि, सरकारी वकील ने कहा कि ऐसी ही संपत्तियां गिराई गई हैं, जो गैर-कानूनी हैं। दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश सरकार ने शपथ पत्र देकर कहा है कि उसने जो भी अचल संपत्तियां हटाई हैं, वे सब कानून की प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाई गई हैं। दरअसल, कई बार ऐसे मामलों में गड़बड़ी किसी और तरह से होती है। गैर-कानूनी अचल संपत्ति तो पूरी तरह कानून की प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाई जाती है, लेकिन प्रशासन अपनी पीठ थपथपाने के लिए यह कहता है कि उसने आरोपी को मजा चखा दिया। ऐसे मामलों की मीडिया में भी यही कहानियां चलती हैं। इसी से यह छवि बनती है कि 'बुलडोजर न्याय' किया जा रहा है। जरूरी यह है कि ऐसी कार्रवाई करने के लिए सबसे पहले यह बताया जाए कि ढहाई जा रही संपत्ति किस तरह से गैर-कानूनी है और उसके साथ ही, यह भी साफ कर दिया जाए कि संपत्ति को गिराने के लिए किस तरह से कानून की प्रक्रिया का पालन किया गया? अदालत के सामने राजस्थान के उदयपुर का वह मामला भी लाया गया, जिसमें एक स्कूल में छुरेबाजी की घटना हुई और बाद में उस मकान को ढहा दिया गया, जहां वह लड़का रहता था। विडंबना यह कि लड़के के पिता ने वह मकान किराये पर ले रखा था। जस्टिस केवी विश्वनाथ ने कहा कि अगर वह लड़का गलत भी था, तो भी सीधे किसी का घर गिरा देना सही तरीका नहीं है। भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल के तर्कों और उत्तर प्रदेश सरकार के शपथ पत्र को देखते हुए अदालत ने यह भी कहा कि गैर-कानूनी निर्माण को गिराने या हटाने की प्रक्रिया के लिए देश स्तर पर कुछ स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट यदि ऐसे दिशा-निर्देश तैयार करती है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। इससे अभी तक ऐसी कार्रवाई से जो विवाद खड़े होते हैं, वे खत्म किए जा सकेंगे। ठीक यहीं पर एक और मसले को भी उठाया जाना चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अति पर्यटन!

दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या कोविड महामारी से पहले के स्तर पर लौट रही है, कुछ देशों में पर्यटकों की संख्या में बहुत ज्यादा उछाल देखने में आया है। यात्रियों और पर्यटकों की बेहिसाब आवक को देखते हुए कुछ प्रमुख शहर और स्थल अब प्रतिबंध, जुमार्ना, कर और समय-सीमा प्रणाली लागू कर रहे हैं। पर्यटकों की संख्या को कम करने के लिए हतोत्साहित करने के अभियान भी शुरू हो रहे हैं। बार्सिलोना में स्थानीय निवासी पर्यटकों पर पानी छिड़क कर अति पर्यटन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पेन के अन्य हिस्सों जैसे मलागा और कैनरी द्वीप में भी इसी तरह से विरोध प्रकट किया गया। इटली के सिसिली, ग्रीस के सेंटोरिनी, क्रोएशिया के डबरोवनिक और इंडोनेशिया के बाली में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। रोम में ट्रेवी फाउंटेन और स्पेनिश स्टेप्स जैसी लोकप्रिय जगहों पर बैठना प्रतिबंधित कर दिया गया है। सवाल यह है कि पर्यटकों की इस अनियंत्रित भीड़ के लिए कौन जिम्मेदार है? अति पर्यटन के लिए सोशल मीडिया प्रमुख कारकों में से एक है, जिसने पर्यटन को हॉटस्पॉट में बदल दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, जबकि गंतव्यों की क्षमता सीमित है। लगभग 80 प्रतिशत यात्री दुनिया के सिर्फ 10 प्रतिशत पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या, जो 2019 में 1.5 बिलियन के शिखर पर थी, 1.8 बिलियन तक पहुंच जाएगी। जिससे पहले से ही लोकप्रिय स्थानों पर और ज्यादा दबाव पड़ने की संभावना है। अकेले बार्सिलोना में एक वर्ष में 1.6 मिलियन निवासियों के मुकाबले 30 मिलियन पर्यटक आए हैं। वर्ष 2023 के पहले तीन महीनों में विदेश जाने वाले लोगों की संख्या 2022 की इसी अवधि की तुलना में दोगुनी हो गई है। वर्ल्ड ट्रैवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार, इस साल पर्यटन क्षेत्र के 7.5 ट्रिलियन पाउंड तक पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी से पहले के स्तर का 95 प्रतिशत है, जबकि पर्यटन उद्योग के 2033 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था का 11.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने का अनुमान है। पर्यटकों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में 14वें स्थान पर है। क्रोएशिया, जिसकी जनसंख्या दिल्ली या मुंबई के एक छोटे से उपनगर जितनी है तथा जिसका क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 2 प्रतिशत से भी कम है वहां 21 मिलियन से अधिक पर्यटक आते हैं। पर्यटकों को आकर्षित करने में दुनिया में अग्रणी फ्रांस में 117 मिलियन पर्यटक आते हैं, जो भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या से साढ़े छह गुना अधिक है। हालांकि भारत में आध्यात्मिक पर्यटन में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ऑडिट कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार 66.4 लाख विदेशी पर्यटक 2022 में तीर्थ स्थलों पर आए। वर्ष 2020 में यह संख्या 10 लाख थी। देश में धार्मिक पर्यटन पिछले पांच साल में प्रत्येक वर्ष 19 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। ट्रेवल ब्लॉगर, टूरिज्म हैंडल्स धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के प्रचार में अहम कड़ी बने हैं, जिसके कारण युवाओं का रुझान धार्मिक स्थलों की तरफ बढ़ा है। देश में धार्मिक पर्यटन करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। साल 2030 तक यह आंकड़ा 10 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। गौरतलब है कि भारत में 60 फीसद से अधिक पर्यटन धार्मिक और आध्यात्मिक जगहों से जुड़ा है। पर्यटक स्थलों तक आसान पहुंच ने भी अति पर्यटन को हवा दी है। इंटरनेट से लेकर स्मार्टफोन तक तकनीक में नवाचारों ने अनिगनत तरीकों से हमारे जीवन में क्रांति ला दी है, जिसमें यात्रा भी शामिल है।

जियो के 8 साल पूरे, डेटा खपत में 73 गुना वृद्धि

डेटा खपत में 155वें से पहले स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली

टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनी रिलायंस जियो ने 5 सितम्बर को अपने लॉन्च की 8वीं सालगिरह मनाई। ट्राई के मुताबिक, जियो के लॉन्च से पहले हर भारतीय ग्राहक एक महीने में मात्र 410 एमबी डेटा इस्तेमाल किया करता था। लेकिन अब केवल जियो के नेटवर्क पर डेटा खपत का आंकड़ा 73 गुना से भी अधिक बढ़कर 30.3 जीबी प्रतिमाह प्रति ग्राहक के आश्चर्यजनक स्तर पर जा पहुंचा है, यानी रोजाना 1 जीबी प्रति ग्राहक प्रतिदिन से भी अधिक। 13 करोड़ 5जी ग्राहकों के साथ जियो का ग्राहक बेस 49 करोड़ हो गया था। आज जियो नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल ट्रैफिक डेटा नेटवर्क है। दुनिया का 8 प्रतिशत मोबाइल डेटा ट्रैफिक जियो नेटवर्क पर चलता है। जियो यूजर्स 148.5 बिलियन जीबी डेटा की खपत कर लेते है, जो देश के कुल डेटा खपत का 60 प्रतिशत है। जियो के चलते भारत डेटा खपत के मामले में 155वें से पहले स्थान पर पहुंच गया है।

जियो एनिवर्सरी ऑफर

जियो ने अपनी 8वीं सालगिरह पर एनिवर्सरी ऑफर पेश किया है। चुनिंदा रिचार्ज प्लान्स पर 700 रुपए तक का फायदा मिल सकता है। 899 और 999 रुपए के तिमाही प्लान और 3599 रुपए के वार्षिक प्लान पर यह ऑफर 5 से 10 सितंबर के बीच रिचार्ज करने पर मिलेगा।

राजस्थान सरकार की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने लिया आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज का आशीष

पर्यावरण संरक्षण जरूरी: वसुंधरा राजे

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में स्थानीय शांतिनाथ जी के बाड़े में आयोजित आनंद यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तपोभूमि प्रणेता पर्यावरण संरक्षक 108 आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज ने कहा कि राजस्थान राजाओं की धरती है राजा का धर्मनिष्ठ होना जरूरी है वह चाहे कितना भी व्यस्त हो ईश्वर के लिए समय निकालना जरूरी होता है। पद जरूरी नहीं है व्यक्ति का कद बड़ा होना चाहिए राजघराने से संबंध होने के बाद भी वसुंधरा जी का क्षेत्र के लोगों से दिल का संबंध है। आचार्य श्री ने कहा कि व्यक्ति को परीक्षा से नहीं घबराना चाहिए कभी भी परीक्षा से मुंह नहीं छिपाना चाहिए जो परीक्षा देता है वहीं पास होता है इससे ही पता लगता है कि आप कितने गहरे पानी में है परीक्षा ही मापदंड पैदा करती है। उन्होंने कहा सीता अग्नि परीक्षा देकर, राधा जी ने प्रेम की परीक्षा देकर, पार्वती ने शिव के लिए और वसुंधरा जी ने भी परीक्षा देकर अपने आप को साबित किया। 'जीवों और जीने दो' आचार्य श्री ने कहा जैन धर्म की मूल भावना जीवों और जीने दो इन चार शब्दों में चार धाम छिपे हैं चारों वेद, अनोयोग इन चार शब्दों में समाहित है जो व्यक्ति इन चार शब्दों को आत्मसात कर लेता है वह चारों धाम की यात्रा कर लेता है।

क्षमा करना सबसे बड़ा धर्म

आचार्य श्री ने कहा कि 300 धर्म और 3600 संप्रदाय में जैन धर्म मात्र इकलौता धर्म है जो क्षमा पर्व मनाता है क्षमा पर्व झुकना सीखाता है एक परमाणु बम सारी दुनिया मिटा सकता है तो क्षमा दुनिया को मिला सकता हैपेड़ पौधों से इंसान तक जीवन जीना चाहता है धरती को अणुबम की नहीं अणुव्रत की आवश्यकता है। भगवान महावीर ने अहिंसा का अमृत बरसाया है। धर्म सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि संतों की तपस्या की किरणें हमारे ऊपर पढ़ने से क्षेत्र में खुशहाली और विकास होता है आपने झालरापाटन में चातुर्मास कर हमें कृतार्थ किया आपके पांव निरंतर बार-बार इस धरती पर पड़े तो यहां का उद्धार संभव है धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा होना चाहिए। राजे ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है आपके द्वारा इस चातुर्मास को पर्यावरण संरक्षण का नाम देकर एक करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प लिया है हमने 21 लाख वृक्ष प्रशासन के माध्यम से लगाने का लक्ष्य तय किया है जिसमें 19 लाख वृक्ष लगाए जा चुके हैं। राजे ने कहा कि जैन समाज से सीख लेना चाहिए समाज का महत्व समझना चाहिए क्षमा मांगने से छोटे नहीं बन जाते हैं और क्षमा मांगने से दिल का बोझ उतर जाता है प्रेम से दिलभर जाता है। राजे ने कहा कि मेरा क्षेत्र के लोगों से दिल का रिश्ता है यह रिश्ता 35 वर्ष पुराना है यहां आकर मुझे ऊर्जा का संचार होता है। संत और परिवार एक साथ हो तो फिर कोई तकलीफ नहीं आती है। इससे पूर्व इंदौर निवासी प्रखर जैन द्वारा मंगलाचरण गीत ''बधाई हो बधाई'' सुना कर सभी का मन मोह लिया।

इनका किया सम्मान

श्रीमति वसुंधरा राजे, राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, लोकसभा प्रभारी छगन माहुर विधायक गोविंद रानीपुरिया, कालूराम मेघवाल पूर्व जिला अध्यक्ष संजय जैन ताऊ ,पूर्व विधायक नरेंद्र नागर ,निर्मल कुमार सकलेचा सभापति संजय शुक्ला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीता पांडे भाजपा नेता दिनेश जैन, रामेश्वर पाटीदार, महामंत्री संजय वर्मा, प्रधान भावना झाला पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा का राजेंद्र बागड़िया नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा मनीष चांदवाड़, मुकेश चेलावत, कमल अजमेरा ,अशोक चांदवाड़, पंकज कासलीवाल , अनिल पाटनी भूपेंद्र जैन द्वारा आचार्य श्री की तस्वीर, स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथियों का सम्मान किया गया सभी अतिथियों द्वारा महाराज जी की आरती की गई। कार्यक्रम का संचालन यशोवर्धन बाकलीवाल ने किया और आभार मनीष चांदवाड़ ने व्यक्त किया।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत किया वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। मिशन ग्रीन आई जी एन के तहत, गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज शिक्षक दिवस पर इंदिरा गांधी नगर (सेक्टर 3 mig A) के पार्क में वृक्षारोपण कार्य किया गया, जिसमे अशोक का पेड़ लगाया गया एवम पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता हेतु चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ अशोक दुबे,पवन जैन,डॉ नरेश शर्मा (जयपुर एजुकेशन सेंटर), कपिल पचौरी(कैफे हाउस, सेक्टर 5), महेंद्र जी (सेक्टर 10), तरुण जी (सेक्टर 2), मणिराम जी (सेक्टर 4),पुनीत जैन,मनीष शर्मा, दीपक कराड़िया, इत्यादि उपस्थित रहे।

जिज्ञासा जीवन को समझने के लिए होनी चाहिए, न कि किसी विवाद को जन्म देने के लिएः युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी महाराज

पर्युषण पर्व का पांचवां दिन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। जिज्ञासा जुबानी जंग मिटाने के लिए नहीं, जीवन में समझने के लिए होती है। गुरुवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में अष्ठ दिवसीय पर्युषण पर्व के पंचम दिवस श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज विशाल प्रवचन धर्मसभा में कहा कि समझदारी वह है, जो समस्या का समाधान ढूंढने में काम आए। पढ़ाई यानी डिग्री की नॉर्म्स को कम्प्लीट करना। जो किताबों में लिखा है, वह दिमाग में बिठा लिया, वह पढ़ाई है। आप पढ़े लिखे तो हो जाते हैं लेकिन समझदार होना अलग बात है। लोग जितना पढे लिखे होते हैं, उनकी समझदारी का ग्राफ डाउन रहता है। आज समस्या यह है कि घर में कोई समस्या आ जाए तो उसका समाधान निकालने में वे असमर्थ रहते हैं। उन्होंने कहा आज स्थिति यह है कि माता-पिता को भी वे बूढ़े कह देते हैं और कहते हैं हम संभाल लेंगे। इस तरह हम अपने हाथों से संस्कार, संस्कृति को भूला देते हैं। कुछ लोग कहते हैं मॉडर्न जमाना है। लेकिन पुराने जमाने में जिज्ञासाएं प्रकट हुआ करती थी। वे उसे जानने के लिए उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा जिज्ञासा जुबानी जंग मिटाने के लिए नहीं होती। जीवन में कुछ समझने के लिए होती। उन्होंने कहा प्रभु की भक्ति करने के लिए हमारे अंदर के भाव महत्वपूर्ण है। प्रभु से प्रीति करने के लिए उनकी स्तुति करनी होगी। ऐसे समय में भीतर में जो आश्वासन, विश्वास की किरण मिलती है तो वह परमात्मा से मिलती है, इसलिए परमात्मा से प्रीति करो। उन्होंने कहा संसार में दो इश्क है जिस्मानी इश्क और रुहानी इश्क। जिस्मानी इश्क यानी संसार के पदार्थों का राग और रुहानी इश्क का मतलब है आत्मा का परमात्मा से जुड़ने का कार्य। परमात्मा से प्रीति जग जाए तो उनकी भक्ति करनी है। हमें आपके अलावा कुछ नहीं चाहिए, बस एक तेरी लगन है, ऐसा भाव हो। चंदनबाला ने जो भक्ति की, वह कैसी होगी, जरा सोचिए। कष्टों में भी प्रभु से प्रीति लगाए रखी। कितनी उत्कृष्ट भक्ति थी वह। वह अपने दुर्भाग्य पर रो रही थी, तो दूसरी ओर खुशी थी। एक आंख में हर्ष के आंसू और एक आंख में दुःख के आंसू। उन्होंने कहा जो महावीर का श्रावक, साधु होगा, वह अपेक्षा नहीं रखेगा। जो अपेक्षा रखेगा, वह महावीर का शिष्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा परमात्मढि भोशणमा की भक्ति मुक्ति दिलाने वाली है। परमात्मा से प्रीति लगी रही होगी तो वे साथ रहेंगे। वह है तो सब कुछ है, नहीं तो सब व्यर्थ है।

शास. पूर्व माध्य. शाला बिजराकापा नवीन में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मुंगेली. शाबाश इंडिया। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिजराकापा नवीन, संकुल- लालपुर थाना, वि.ख. लोरमी, जिला-मुंगेली, छत्तीसगढ़ में दिनांक 05 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर केक काटकर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक और विचारक

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा के समक्ष श्रीफल अर्पित कर पूजा-अर्चना कर की गई। शिक्षक अशोक कुमार यादव ने मंच संचालन का कार्य किया तथा शिक्षक एक भविष्य निमार्ता और गुरु की अद्भुत महिमा कविता प्रस्तुत की। आए हुए अतिथियों और शिक्षकों का स्वागत विद्यार्थियों ने पुष्पहार पहनाकर और गुलाल से तिलक लगाकर किया। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों सुनयना बंजारा, नव्या, अनुराग बघेल, साहिल गेंदले, अंकित बघेल ने अपना वक्तव्य और कविता प्रस्तुत किया। किंजल सोनवानी, बिंदु बघेल, प्रभा बघेल, अंजलि और सुहाना छात्राओं ने शिक्षक और देश भक्ति गीत पर नृत्य किया। पूर्व प्रधान पाठक पवन बंजारा ने सभी शिक्षकों को अंग वस्त्र, श्रीफल और पेन देकर सम्मानित किये। वर्तमान प्रभारी प्रधान पाठक मेलूराम साहू ने सभी शिक्षकों को पेन दे कर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षक दिगेश्वर सिंह बघेल, वरिष्ठ नागरिक किशुनदास बघेल, एस.एम.सी. पूर्व अध्यक्ष रमेश बघेल, संतोष कुमार जांगड़े सहित अन्य नागरिकगण उपस्थित थे। स्कूल के प्रभारी प्रधान पाठक मेलूराम साहू ने आभार प्रकट किया।

अधिशासी अभियंता अशोक सोगानी के राजकीय सेवा से सेवानिवृत होने पर नागरिक सम्मान किया

समाज द्वारा सांसद हरीश मीणा का हुआ स्वागत

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। उपखण्ड मुख्यालय पर सिंचाई विभाग टोंक जिले के अधिशासी अभियंता अशोक जैन सोगानी की राजकीय सेवा से सेवानिवृत्ति होने पर सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला के नेतृत्व में पारसनाथ उधान नसिंया जैन मंदिर के प्रांगण पर राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत सम्मान किया गया। सरावगी समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि इस दौरान टोंक सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा एवं निवाई के अशोक जैन सोगानी अधिशासी अभियंता का भी समाज द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला सरावगी समाज के प्रमुख अशोक बिलाला राकेश संधी त्रिलोक जैन अतुल ठोलिया महावीर ठोलिया एवं विनय झांझरी सहित अनेक समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

शिक्षक दिवस पर दि. जैन सोशल ग्रुप वीर ने किया श्रेष्ठ समाज सेवी शिक्षक एवं श्रेष्ठ समाज सेवी शिक्षार्थी का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षक दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल (समाज सेवा के श्रेष्ठ शिक्षक) की पुण्य स्मृति में एवं भारत के श्रेष्ठ शिक्षक सर्वपल्ली राधाकृष्णने के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर (अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन जयपुर) ने अनोखे अंदाज में मनाया। वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज रेखा जैन एवं सचिव पंकज कशिश जैन ने बताया कि इस अवसर पर श्रेष्ठ समाज सेवी शिक्षक के रूप में वैभव जैन शास्त्री के साथ ही श्रेष्ठ समाज सेवी शिक्षार्थी के रूप में इनकी दो शिष्यायें श्रीमती प्रीति जैन व श्रीमती मीनू जैन का भी श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पार्क मुरलीपुरा में प्रातः 10:30 बजे केसर तिलक, माला, दुप्पटा एवं प्रशस्ति द्वारा सम्मान किया। इस अवसर पर श्री महावीर दि. जैन मंदिर के अध्यक्ष धर्मचंद जैन, श्रीमती निर्मला पहाड़िया, मनोज पहाड़िया, संगीता पहाड़िया, महेंद्र जैन, सुभाष बाकलीवाल, सुभाष चंद जैन, नितेश पहाड़िया, कोमल जैन, रिद्धि, जैन, गरिमा जैन, नीलम जैन, नीतू जैन, अभिलाषा जैन, रिंकू जैन आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पौधारोपण कर मनाया शिक्षक दिवस

सनावद. शाबाश इंडिया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन शिक्षक दिवस पर नगर के पूर्व शिक्षक एवं समाजसेवियों ने खरगोन रोड स्थित पूज्य मुनि श्री चारित्र सागर जी महाराज के समाधि स्थल पर पहुँचकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पूर्व प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र जैन भारती पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव तत्पर समाजसेवी सलित जैन, अजय पंचोलिया, नवीन जैन, प्रफुल्ल जैन ने अनार, जामुन, एलोवेरा के पौधों का रोपण समाधि स्थल पर किया। पूर्व राष्ट्रपति के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सलित जैन ने शिक्षक दिवस पर डॉ. भारती के सामाजिक, शैक्षिक और धार्मिक क्षेत्र में सक्रियता की प्रशंसा करते हुए उनका अभिवादन किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से ...

कुलचाराम. हैदराबाद

जिन्दगी के इस रण में, खुद को ही कृष्ण और,
खुद को ही अर्जुन बनना पड़ता है..!

रोज अपना ही सारथी बनकर, जीवन की महाभारत को खुद से लड़ना पड़ता है। इसलिए घर, परिवार और समाज में जीना है तो अपनी बुराई सुनने की आदत डालो। क्योंकि दुनिया में बुरे लोगों की कमी नहीं है। वह तुम्हारी बुराई जरूर करेंगे। अपने में सहनशीलता पैदा करो क्योंकि यहाँ खुशियों की जिंदगी जीने वालों को, बहुत कुछ सहना पड़ता है। परिस्थितियों के अनुरूप अपने आप को बदलना सीखो। क्योंकि इसके अलावा और कोई चारा भी नहीं है। जो माँ बाप मिलने थे, वो मिल गए, अब उन्हें तुम बदल नहीं सकते। जो पत्नी मिलना थी, वह भी मिल गई, अब उसे भी तो नहीं बदला जा सकता। जो बेटे बेटियाँ मिलने थे, वे भी मिल गए, उन्हें भी नहीं बदला जा सकता। अब कुछ नहीं बदला जा सकता है। बस, अब बदल सकते हो तो, तुम अपने आप को बदल सकते हो। अपना स्वभाव बदल सकते हो। अपने जीने का ढंग बदल सकते हो। अपनी आदत को बदल सकते हो। बदलाव की केवल यही एक प्रक्रिया शेष है। तुम अपने स्वभाव को बदलकर, नर्क बने जीवन को स्वर्ग में तब्दील कर सकते हो। यह अधिकार भी तुम्हें है। यह तुम्हारी अपनी जन्मजात स्वतंत्रता है... यह स्वतंत्रता कल भी थी, आज भी है और कल भी रहेगी।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

पुण्य स्मरण दिवस

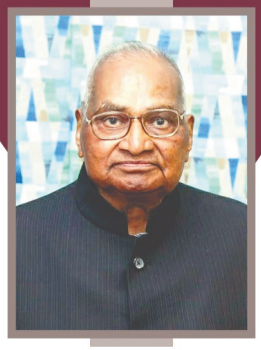

स्व. श्री संसार चन्द्र जी लुहाड़िया
चतुर्थ पुण्य तिथि
दिनांक 6 सितम्बर, 2024
श्रद्धांजलि
... श्रद्धावनत ...
प्रदीप-विजयलक्ष्मी (पुत्र - पुत्रवधु)
अभिषेक -निधि, अंकित-मेघा (पौत्र-पौत्र वधु)
सेजल, योशिता, असावरी (पड़पौत्री)
मधु-रामचन्द्र बैद, सुधा छाबड़ा
निशा-प्रदीप पाण्ड्या (पुत्री-दामाद)
लुहाड़िया परिवार

DWPS अजमेर में साइबर क्राइम जागरुकता सत्र का सफल आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, अजमेर में आज साइबर क्राइम जागरुकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में अजमेर के पुलिस अधीक्षक (SP) देवेंद्र बिश्नोई ने भाग लिया। सर्वप्रथम सर्वधर्म मैत्री के प्रेसिडेंट प्रकाश जैन ने मुख्यवक्ता देवेंद्र बिश्नोई का परिचय दिया, तत्पश्चात सत्र का प्रारंभ किया गया। सत्र में बिश्नोई ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। सत्र के दौरान, बिश्नोई ने साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि कैसे तकनीकी प्रगति के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि किस प्रकार व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और सतर्कता जरूरी है। अपने वक्तव्य में उन्होंने साइबर क्राइम के विभिन्न रूपों जैसे- फिशिंग, हैकिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, और सोशल मीडिया पर बढ़ते अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने इनसे बचने के उपायों पर भी चर्चा की, ताकि विद्यार्थी स्वयं को और अपने परिवार को इन खतरों से सुरक्षित रख सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य भानु प्रताप पंत और डीन एकेडेमिक सुश्री ममता भार्गव ने कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता देवेंद्र बिश्नोई को स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया। उन्होंने बिश्नोई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे गौरव मिश्रा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्यवक्ता, प्रधानाचार्य तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और इस सत्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत शिक्षाप्रद और जागरूकता बढ़ाने वाला साबित हुआ। विद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार के और भी कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया ताकि छात्रों को डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त हो सके।

रामलीला मंचन की तैयारी को लेकर बैठक

अभिनय करने वाले पात्रों का हुआ चयन

विराटनगर. शाबाश इंडिया। श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में आगामी 28 सितंबर से प्रारंभ होने जा रही 15 दिवसीय रामलीला मंचन की तैयारी को लेकर कस्बा स्थित रामलीला प्रांगण में मंडल सदस्यों की बैठक मंडल की अध्यक्ष गणपत लाल शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा कर लीला मंचन में अभिनय करने वाले पात्रों का चयन किया गया। मंडल कोषाध्यक्ष मामराज सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि लीला मंचन के दौरान प्रदीप शर्मा को विष्णु, राम , गणेश योगी को लक्ष्मण, गोपाल शर्मा को भरत, गोविंद शर्मा को शत्रुघ्न, पवन बरीठ को दशरथ, बाली, जोगी रावण, दिनेश मुद्गल को रावण, नारद, परशुराम, उमाशंकर शर्मा को सुतिक्षणा, केवट, जनक, अंगद की भूमिका सौंपी गई। इसी प्रकार सीताराम सैनी को हनुमान, आशीर्वाद शर्मा को सीता, प्रहलाद इंदौरिया को वशिष्ठ, निषाद राज, गणपत लाल को इंद्र, सिल निधि, सुग्रीव, रोमेश मिश्रा को मेघनाथ, सुभाष योगी को कामदेव, विक्की सैनी को कुंभकरण, महेश सैनी को सुमंत, मुकेश सैनी को विश्वामित्र, विभीषण, योगेश कौशिक को अहिरावण, दीपेश चौबे को ब्रह्म, हनुमान जांगिड़ को शंकर, गिरिराज सेन को प्रहस्त, तथा अनिल बरीठ,व वेद प्रकाश मारीच और सुबाहु की भूमिका निभाएंगे। व्यास पीठ पर मुरली मनोहर शर्मा चौपाइयों का वाचन करेंगे। शैलेश टेलर को साज सज्जा वह वेशभूषा का दायित्व सोपा गया। मंच और स्वागत की व्यवस्था का कार्य मामराज सोलंकी और नरेंद्र शर्मा को दी गई। लीला मंचन के दौरान नवरात्रों में मां दुर्गा की भव्य झांकी दिखाई जाएगी।

6 सितंबर को गीतांजली यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह कन्वोकेशन- 2024

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत होंगे मुख्य अतिथि

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गीतांजली यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह 6 सितंबर को गीतांजली यूनिवर्सिटी के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। वाइस चांसलर डॉ. एस.के. लुहाड़िया ने बताया कि इस अवसर पर 844 हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को डिग्री प्रदान की जाएगी। साथ ही फाइनल परीक्षा में अधिकतम अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों सहित 5 बेस्ट ग्रेजुएट्स को गोल्ड मेडल्स प्रदान किये जायेंगे। मुख्य अतिथि गजेन्द्रसिंह शेखावत केंद्रीय मंत्री, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय - भारत सरकार तथा गीतांजली ग्रुप चेयरमैन व गीतांजली यूनिवर्सिटी चांसलर जे.पी अग्रवाल की उपस्थिति में स्वर्ण पदक व डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दौरान पूर्व वाइस चांसलर डॉ. एफ.एस. मेहता और सीनियर न्यूरोलोजिस्ट डॉ. ए.ए. सैफी को चिकित्सा क्षेत्र में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया जायेगा। उक्त जानकारी बुधवार को पत्रकार वार्ता के दौरान आमंत्रित पत्रकारों संग साझा की गई। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर गीतांजली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एस.के लुहाड़िया, गीतांजली ग्रुप के वाइस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल एवं गीतांजली यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार मयूर रावल उपस्थित रहेंगे। प्रेसवार्ता का संचालन मैनेजर ब्रांडिंग एंड पी.आर. कम्युनिकेशन हरलीन गंभीर ने किया। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

फोटो: साकेत, कुमकुम फोटो
मोबाइल 9829054966

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांति सागर विपरीत परिस्थितियों में भी दिगम्बरत्व एवं आगम पर दृढ विश्वास के साथ डटे रहे : मुनि प्रणम्य सागर महाराज

बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बर जैन आचार्य शांति सागर महाराज का समाधि दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बर जैन आचार्य शांति सागर महाराज का दीक्षा दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री ने कहा कि चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांति सागर महाराज बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बर जैन आचार्य थे जिन्होंने दिगम्बर जैन परम्परा को जीवंत रखा। मुनि श्री ने आचार्य शांति सागर महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्तुतियों के माध्यम से अर्घ्य चढवाये। मुनि श्री ने कहा कि आचार्य शांति सागर महाराज ने सदा मूलाचार को अपनाया। जब वह क्षुल्लक दीक्षा में थे तब पहले से निश्चित स्थान पर पुजारियों द्वारा आहार करवाया जाता था, उस समय पडगाहन करना कोई नहीं जानता था। उस परम्परा को तोड़ते हुए मूलाचार में लिखित पडगाहन के द्वारा आहार पर जाने की परम्परा को प्रारम्भ किया। उसके लिए उन्हें उपवास भी करने पडे। जब उनकी मुनि दीक्षा हुई तब विपरीत परिस्थितिया होते हुए भी दिगम्बरत्व पर एवं आगम पल दृढ़ विश्वास के साथ डटे रहे। उन्होंने जिन मंदिरों में अन्य के प्रवेश के कानून का विरोध करते हुए नियम लिया था कि जब तक यह कानून वापस नहीं होगा तब तक मै अन्न ग्रहण नहीं करुंगा। तीन साल से ज्यादा समय बाद जब निर्णय जैन समाज के पक्ष में आया, तब उन्होंने अन्न ग्रहण किया। अपने 45 साल के साधु जीवन में उन्होंने 9338 उपवास किये। मुनि श्री ने कहा कि हम सबको सुमेर दिवाकर द्वारा लिखित चारित्र चक्रवर्ती ग्रन्थ का स्वाध्याय करना चाहिए। इससे पूर्व आचार्य शांति सागर महाराज, आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। समाजश्रेष्ठी अमर चन्द - अलका, अक्षय - नेहा छाबड़ा एवं परिवारजनों द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया

गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया। समिति के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी, विजय झांझरी ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया। समिति के कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले एवं कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शुक्रवार , 06 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। चातुर्मास समिति से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुनि श्री के सानिध्य में मानसरोवर के सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 पर 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक दशलक्षण महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उस दौरान 10 दिवसीय आत्म साधना शिविर लगेगा जिसमें पूरे देश से 1500 से अधिक श्रावक - श्राविकाऐ शामिल होगी।

जैन मंदिर गोखले मार्ग सी स्कीम में किया प्रतिमाओं का परिमार्जन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर गोखले मार्ग सी स्कीम में आज श्री जी की प्रतिमाओं का परिमार्जन किया गया। जिसमें समाज के कमल छाबड़ा ,संजय छाबड़ा, अमित बक्शी, सुधीर सोनी, प्रतीक लुहाड़िया ने परिमार्जन कर धर्म लाभ अर्जित किया ।सभी को इस पुण्य की बहुत-बहुत अनुमोदना बहुत-बहुत साधुवाद है।

ऋचा की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर व स्मृति ओडिटोरियम का हुआ लोकार्पण

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाडीजोड़ी दुगार्पुरा पिपराली में पूर्व तहसीलदार ओंकार मल मूण्ड की सुपुत्री की प्रथम पुण्यतिथि पर ऋचा स्मृति फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर व ऋचा स्मृति ऑडिटोरियम का लोकार्पण सीकर सांसद अमराराम, सीकर विधायक राजेंद्र पारीक, खंडेला विधायक सुभाष मील के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, भूमि विकास बैंक चेयरमैन कैलाश शर्मा, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, पिपराली प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र खिचड, पिपराली उप प्रधान विकास मुण्ड, पिपराली सरपंच संतोष मुण्ड, दौलतपुरा सरपंच दिनेश आर्य, कुंडली सरपंच प्रभु जी ओला, गुगारा सरपंच सतपाल धीवा, खिवासर सरपंच रामस्वरूप, चलका खुडी सरपंच विक्रम महला, जिला परिषद सदस्य कानाराम जाट, जयंत निठारवाल, पंचायत समिति सदस्य राजेश खाखल, जिला शिक्षा अधिकारी शीशराम कुलहरी, रामचंद्र बगड़िया, सीबीओ सुमन चौधरी, रामनारायण चौधरी, जाट छात्रावास के अध्यक्ष गणेश बेरवाल, सचिव केडी नेहरा एवं स्थानीयजनो व आगुंतकजनो द्वारा फोटो पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया जिसमें 511युनिट रक्त एकत्रित हुआ।

बंगाली बाबा मंदिर में ध्वज अर्पण के साथ श्री महागणपति महोत्सव शुरू

रोशनी से नहाया मंदिर परिसर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेष मंदिर में श्री महागणपति महोत्सव की शुरूआत गुरुवार को ध्वज अर्पण के साथ हुई। इस दौरान आसपास का क्षेत्र प्रथम पूज्य के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। शुक्रवार को सिंजारा पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर कई धार्मिक आयोजन होंगे। इस दौरान मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट की गई, जो सभी भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ आज सुबह ध्वज अर्पण के साथ इस मौके पर प्रथम पूज्य की भक्ति भाव से आराधना कीर गई। इस मौके पर मंदिर परिसर की परिक्रमा लगाकर ध्वज अर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि गणपति महोत्सव के तहत शुक्रवार को सुबह 9 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद सबह 10 बजे सिंदूर अर्पण के बाद सिंजारा पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में महिलाओं द्वारा मेहंदी लगाई जाएगी। महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल ने बताया कि गणेश चतुर्थी को सुबह 5 बजे मोदक अर्पण के बाद दोपहर 1 बजे आरती व साम को 6 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा।

कल्पसूत्र नामक जैनग्रंथों में तीर्थंकर पार्श्वनाथ महावीर स्वामी आदिद्ध का जीवनचरित वर्णित है : साध्वी कुसुमप्रभा श्रीजी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्तीपीठ माता पद्मावती संस्थान में आत्मशक्ति एवं आत्मा सिद्धि के महापर्व पर्युषण महापर्व पर साध्वी कुसुमप्रभा श्रीजी महाराज साहब एवं संयम रत्ना श्रीजी म.सा बताया की कल्पसूत्र नामक जैनग्रंथों में तीर्थंकरों; पार्श्वनाथ महावीर स्वामी आदिद्ध का जीवनचरित वर्णित है। भद्रबाहु इसके रचयिता माने जाते हैं। पारंपरिक रूप से मान्यता है कि इस ग्रन्थ की रचना महावीर स्वामी के निर्वाण के 150 वर्ष बाद हुई। आठ दिवसीय पर्यूषण पर्व के समय जैन साधु एवं साध्वी कल्पसूत्र का पाठ एवं व्याख्या करते हैं। इस ग्रन्थ का बहुत अधिक आध्यात्मिक महत्व है इसलिये केवल साधु एवं साध्वी ही इसका वाचन करते हैं और सामान्य लोग इसे हृदयंगम करते हैं। कल्पसूत्र एक जैन प्राचीन ग्रंथ है जिसमें अंतिम दो जैन तीर्थंकरों पार्श्वनाथ और महावीर की आत्मकथाएं हैं।

सस्थान के अध्यक्ष: दिपेश चोपडा
मंत्री: दिनेश मेहता
संयोजक: विनित सांड ने तपस्या करने वालो का बहुमान किया।

श्री बामणिया बालाजी धाम का वार्षिक मेला भरा धूमधाम से

मेले पर बालाजी के लगा 56 व्यंजनों का भोग

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल श्री बामणिया बालाजी धाम मन्दिर का वार्षिक मेला गुरुवार को बड़े धूमधाम से भरा ।पुजारी मुकेश वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार रात्रि को भजन संध्या हुई ।वहीं भजन संध्या की सांय को नसीराबाद के जागेश्वर महादेव मंदिर से गाजे बाजे के साथ झण्डा आया , वहीं देरांठू के सदर बाजार के हिन्दू युवा वाहिनी के सानिध्य में पहली बार विशाल बाहु बली बजरंग बली व चार बन्दर व राम दरबार की भव्य झांकी के साथ गाजे बाजे के साथ झण्डा आया। जो गाजे बाजे के साथ ग्राम के सभी मुख्य मोहल्ले से होकर बामणिया बालाजी पहुंचा। वही गुरुवार को मेले के दिन नसीराबाद के राजनारायण रोड स्थित शिव मंदिर से गाजे बाजे के भक्त गण 21 झण्डे लेकर आये। मेले पर देरांठू के ढाबा मोहल्ले, फडोल्या मोहल्ला, गवारिया समाज के साथ लोहरवाड़ा, भटियाणी, चाट , मंगरी आदि गांवों से भी गाजे बाजे के साथ झण्डे आये। मेले के उपलक्ष्य में मन्दिर के विशेष सजावट की गई है। मेले का झण्डा गुरुवार को सुबह 11.15 चढ़ाया गया। मेले के मुख्य अतिथि श्री नगर प्रधान श्री मति कमलेश गुर्जर, पूर्व

विधायक महेन्द्र सिंह गुर्जर व अध्यक्षता देरांठू सरपंच विजेन्द्र सिंह राठौड़, भटियाणी सरपंच श्रीमती कौशल्या देवी तेला व लोहरवाड़ा सरपंच श्रीमती माया देवी माली ने की। इस अवसर पर बालाजी महाराज के विशेष चोला चढ़ाकर, फूलों से झांकी सजाई गई है। मेले का झण्डा चढ़ाने के पूर्व बालाजी प्रांगण में संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। पश्चात बालाजी महाराज के 56 व्यंजनों के भोग की झांकी सजाकर भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया । मेले में आये ग्रामीणों ने झूले, चकरी, चाट , मिठाईयो के साथ महिलाओं ने मणिहारी की लगी दुकानों से जमकर खरीददारी की ।

धर्मात्मा और दानवीर व्यक्ति धन का दिखावटी प्रदर्शन नहीं करता है : साध्वी प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। धर्मात्मा और दानवीर व्यक्ति धन का दिखावटी प्रदर्शन एवं निंदा वक्ता नहीं करता। गुरुवार को पंचायती नोहरा जैन स्थाकन मे पयुर्षण पर्व के पांचवें दिन साध्वी प्रितीसुधा ने श्रध्दांलुओ को प्रवचन धर्मसभा में संबोधित करतें हुए कहा कि दानवीर श्रध्दांवान-धर्म के प्रति श्रध्दा रखने वाला इंसान कभी किसी का अहित नही चाहता ऐसा व्यक्ति ही मानव जीवन को सफल और सार्थक बनाकर अपनी आत्मा का कल्याण करवा सकता है। सच्चे श्रावक की कथनी और करनी मे अंतर नहीं होता है जैसा बाहर से दिखाई देता है वैसा ही अंदर होता है। लेकिन आज मनुष्य कमाने और पाने कि चाहत मे अपनी बुध्दि और विवेक को खोकर धर्म को भूल गया है। बिना धर्म किये आत्मा की मुक्ति नहीं मिलने वाली धर्म करने पर ही आत्मा को सदगति प्राप्त हो सकती है ।साध्वी संयमसुधा ने अंतगड़ सूत्र का वांचना किया। इसदौरान धर्मसभा मे साध्वीवृंद से अनेक भाई बहनों ने तपस्या के प्रत्याख्यान लिए इन सभी का श्रीसंघ पंचायती नोहरा के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन ओर श्राविका महिला मंडल की पदाधिकारियों तप की अनूमोदना करते हुए तपस्वीयो का बहुमान किया। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

FOR PASSES PLEASE CONTACT ORGANIZERS

"एक शाम परिन्दो के नाम"

कवि सम्मेलन

BIRD FREEDOM DAY Second Sunday of September

मुख्य अतिथि :-
अभिनेता श्री फिरोज खान
किरदार- अर्जुन (महाभारत)

कवि "किशोर पारीक" मंच संचालन

कवि "अमित आजाद"

कवि "सूर्य प्रकाश उपाध्याय"

कवयित्री "डॉ. सुशिला शील"

कवि "डॉ. संतोष कुमार चारण"

कवि "विशाल गुप्ता"

कवि "सतपाल सोनी"

कवि "राजेश खण्डेलवाल रजुआ"

कवि "वरूण चतुर्वेदी"

कवि "बालमुकुन्द पुरोहित"

कवि "भगवान सहाय पारीक"

कवि "वेद दाधीच"

दिन व दिनांक- रविवार, 08 सितम्बर 2024

समयः- शाम 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक।

आयोजन स्थल- होटल जयपुर मैरियट, टोंक रोड़, जयपुर

आयोजक- विपिन कुमार जैन
(संस्थापक- बर्ड फ्रीडम डे) मो. 98280-70679

आयोजक- रुचिका जैन
(सह संस्थापक- बर्ड फ्रीडम डे) मो. 72969 44339

आयोजक- गोविन्द सिंह छिपा
पार्षद वॉर्ड 131, मालवीय नगर- मो. 9414251558

शिक्षक दिवस तथा फेडरेशन संस्थापक कासलीवाल जी की स्मृति में किया सम्मान

गुड़गांव. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय परामर्शक, नवीन सेन जैन संग शशी सेन जैन ने शिक्षक दिवस के अवसर पर तथा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के स्मृति दिवस पर पूर्व कुलपति प्रो.डॉ. सुधीर के. जैन, प्रो. डॉ. चारु बंसल, अंतर्राष्ट्रीय ट्युटर श्वेता छाबड़ा, स्कूल टीचर आशिमा जैन का सम्मान आई बी एस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गुड़गांव के परिसर में किया।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का प्लास्टिक मुक्त अभियान

कपड़े के थेले बांटकर लोगों को किया जागरूक

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ की और से जुलाई माह से प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया हुआ है इस अभियान के तहत कपड़े के थेले बाँटकर प्लास्टिक यूज नहीं करने के लिये लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। डिस्ट्रिक चेयरमेन स्वाति गुप्ता ने 58 क्लबों को प्लास्टिक हटाओ का मेन प्रोजेक्ट दिया हुआ है । इसके तहत क्लब की और से लोगों को जागरूक करने के लिये मंदिरों में जाकर कपड़े के थेले बाँटे जा रहे हैं। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता सदस्य रुचि गुप्ता इत्यादि ने मिलकर एक हजार रुपये के कपड़े के बेग बेग बनवाकर लोगों को वितरित किये और उनसे रसोई की सामग्री की खरीद में मात्र कपड़े के बेग ही इस्तेमाल करने और प्लास्टिक बेग का यूज नहीं करने हेतु समझाइश की।

धार्मिक प्रश्नोत्तरी के लिए आओ जैन धर्म जानिये पुस्तक का विमोचन

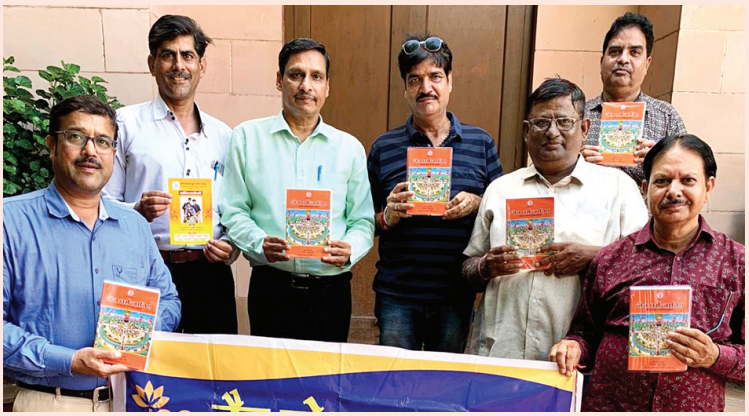

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर द्वारा दश लक्षण महापर्व मे ग्रुप सदस्यों के लिए धार्मिक प्रश्नोत्तरी आयोजन किया जाएगा। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि ग्रुप द्वारा 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक आने वाले दशलक्षण महा पर्व मे ग्रुप सदस्यों के लिए धार्मिक प्रश्नोत्तरी आओ जैन धर्म जानिये पुस्तक का आज इंटरनेशनल डायरेक्टर मनीष झांझरी ने विमोचन किया। इस पुस्तक मे से रोजाना 5 प्रश्न ऑनलाइन व्हाट्सप्प ग्रुप मे पूछे जाएंगे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के संयोजक दिनेश जैन एडवोकेट ने बताया कि 10 दिन तक रोजाना चलने वाली इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिये जायेगे। प्रतियोगिता करवाने का मकसद जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाना है। इस अवसर पर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष अजय बड़जात्या, सह सचिव महेंद्र जैन, कार्य कारिणी सदस्य प्रदीप अजमेरा भी मौजूद थे।

शिवसेना क्रिकेट प्रीमियर लीग ट्रॉफी का अनावरण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे एवं धर्मवीर आनन्द दीघे की स्मृति में शिव सेना के उदयपुर इकाई द्वारा शहर में पहली बार 10 दिवसीय शिवसेना प्रीमियर लीग का आयोजन 14 अक्टूबर को एमबी कॉलेज ग्राउण्ड पर होगा। इसकी ट्रॉफी का अनावरण गुरुवार को शिवसेना के राज्य प्रमुख लखनसिंह पंवार, उप प्रमुख रविराज सिंह सोनी, राहुल राठौड़, गिरीराज, यश साहू सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया। प्रेसवार्ता में शिवसेना प्रीमियम लीग की जानकारी देते हुए शिव सेना के राज्य प्रमुख लखनसिंह ने बताया कि उदयपुर शहर में इस तरह का यह पहला आयोजन है। उन्होंने बताया कि इस शिवसेना प्रीमियर लीग में उदयपुर सहित राजस्थान के कई जिलों से खिलाड़ी शामिल होंगे। सबसे बड़ी बात है कि इसमें रणजी प्लेयर एवं नेशनल प्लेयर भी भाग लेंगे। रविराज सोनी ने बताया कि शिवसेना प्रीमियर लीग में कुल 16 टीमें भागीदारी निभाएंगी। प्रतियोगिता में प्रतिदिन 20-20 ओवर के 3 मैच खेले जायेंगे। राहुल राठौड़ ने बताया कि प्रथम विजेता को 1 लाख रुपए नकद एवं ट्राफी, उप विजेता को 51 हजार एवं तृतीय विजेता को 11000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर बाबूलाल सालवी, विनोद, मांगीलाल प्रजापत, अजय, विक्रमसिंह बाघेला, महेश, जगदीश सहित अनेक पदाधिकारी शाम को छात्र देवराज के घर पहुंचे। जहां उन्होंने उसके माता-पिता को सांत्वना देकर दोषी को सजा दिलवाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

रिपोर्ट/फोटो : योवंतराज माहेश्वरी

महावीर जैन बाकलीवाल ने जन्म दिवस पर किया सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के पूर्व अध्यक्ष महावीर जैन बाकलीवाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में निवास करने वाले करीब150 छात्रों को भोजन की व्यवस्था की। इस अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी ने अवगत कराया कि दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांड्या राजस्थान अंचल के संस्थापक अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस, समाज श्रेष्ठी प्रमोद पहाडिया,कार्याध्यक्ष णमोकार जैन, कार्याध्यक्ष एवं मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष राजेंद्र शाह , पश्चिम सांभाग के अध्यक्ष , महावीर बाकलीवाल की पत्नी श्रीमती ललिता बाकलीवाल उनके परिवारजन , दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के अध्यक्ष श मोहनलाल गंगवाल, समाचार जगत के संस्थापक शैलेंद्र गोधा, दर्शन जैन बाकलीवाल श्रीमती शीला डोड्या, श्रीमती चन्द्र कान्ता छाबड़ाके साथ ही अन्य गणमान्य सदस्यों की भी उपस्थित थी। इस अवसर पर श्रमण संस्थान के पदाधिकारियों ने बाकलीवाल का इस नेक कार्य करने के लिए स्वागत किया तथा सहारना की।

जैन सोशल ग्रुप द्वारा हाय हेल्लो छोड़िये जय जिनेन्द्र बोलिये प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा दशलक्ष्ण महा पर्व मे आगामी 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक ग्रुप सदस्यों के लिए हाय हैल्लो छोड़िये जैन जिनेन्द्र बोलिये प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा ग्रुप सचिव विशुतोष चाँदवाड़ ने बताया कि इस प्रतियोगिता के संयोजक पूर्व अध्यक्ष संजय - संगीता जैन है जिनके द्वारा ग्रुप सदस्यों को रोजाना फोन किये जायेगे सदस्य को हाय या हेलो की जगह जय जिनेन्द्र बोलना है रोजाना 2 विजेता घोषित किये जायेगे, जो कॉल उठाते ही जय जिनेन्द्र बोलेंगे।

एम्बिशन किड्स में तीर्थंकर ग्रुप द्वारा शिक्षक-छात्र सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की 4थी पुण्यतिथि एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर मेधावी छात्र एवं शिक्षकों का सम्मान 5 सितंबर 2024 को ऐम्बीशन किड्स ऐकेडमी, श्योपुर रोड, सांगानेर में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वोत्कृष्ट शिक्षक के रूप में श्रीमती अनीता सक्सेना मैडम एवं मेधावी छात्रा के रूप में कु.पूर्वी जैन व अविक जैन का सम्मान किया गया एवं ग्रुप के द्वारा स्कूल के अन्य सभी शिक्षकों को भी तिलक, व मूमेन्टों से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष अन्तरराष्ट्रीय वरिष्ठ होम्योपैथ डां एम एल जैन 'मणि' ने सभी का स्वागत किया। तीर्थंकर ग्रुप के सचिव सुरेश जैन गंगवाल ने व कोषाध्यक्ष श्री पारस लुहाडिया जी ने भी छात्रों व शिक्षकों का सम्मान किया ।इससे पूर्व आयोजन के मुख्य अतिथी राजस्थान फेडरेशन के यसश्वी अध्यक्ष श्री राजेश बडज्याता व महामंत्री श्री निर्मल संघी का ग्रुप के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. मनीष जैन मणि ने माला पहनाकर व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। विद्यालय प्राचार्या डां अलका जैन व सभी शिक्षकों की इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता रही ।इस कार्यक्रम में मेधावी छात्र एवं विशिष्ठ शिक्षक को माला,साफा व प्रसस्ती पत्र से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष डां मणि द्वारा शिक्षक दिवस का महत्व बताया गया एवं फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व.श्री प्रदीप सिंह कासलीवाल जी की पुण्यतिथि पर उनके द्वारा किए गए अनेक कार्यों से सभी को अवगत कराया गया। इससे पूर्व विद्यालय उपाचार्या श्रीमती अनीता जैन ने सभी शिक्षकों के लिए रोचक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। अन्त शिक्षा समिति की डां शान्ति जैन 'मणि' ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महावीराचार्य पुरस्कार 2024 समर्पण समारोह अयोध्या में हुआ सम्पन्न

गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माताजी के सानिध्य में प्रो. पद्मावथम्मा को मिला पुरस्कार

शाबाश इंडिया

भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर बडी मूर्ति रायगंज अयोध्या शाश्वत तीर्थ पर महावीराचार्य पुरस्कार 2024 का समर्पण समारोह जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में सम्पन्न किया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीमती उषा पाटनी के मंगलाचरण के द्वारा हुआ। तत्पश्चात प्रो. अनुपम जैन-इन्दौर ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे पूर्व तीन बार ये पुरस्कार देश के वरिष्ठ विद्वानों को यह पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। डॉ. जैन ने बताया कि जैन गणित के ऊपर जिन विद्वानों ने शोध की है या इस विषय पर कोई विशेष कार्य किया है उनका चयन निर्णायक मण्डल के द्वारा करके यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार डॉ. अनुपम जैन के परिवार के द्वारा ही ५१०००/- रुपये की राशि प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर के किया जाता है। इस क्रम में ब्र. डॉ. सविता जैन, शीतल तीर्थ रतलाम के द्वारा वक्तव्य दिया गया जिसमें उन्होंने संक्षिप्त रूप में पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी प्रदान की, तत्पश्चात प्रो. पद्मावथम्मा मैसूर को प्रशस्ति पत्र देकर के डॉ. अनुपम जैन, निशा जैन, पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी जी, श्री विजय कुमार जैन, डॉ. जीवन प्रकाश जैन, डॉ. संजीव सर्राफ, आयुष जैन-इन्दौर, अम्बुज जैन-इन्दौर के द्वारा शॉल पहनाकर के श्री दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान-जम्बूद्वीप हस्तिनापुर के पदाधिकारियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर के सम्मानित किया गया। प्रशस्ति का वाचन विद्ववत महासंघ के महामंत्री श्री विजय कुमार जी ने किया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पीठाधीश स्वस्ति श्री रवीन्द्रकीर्ति जी के द्वारा प्रशस्ति देकर प्रो. पद्मवथम्मा को महावीराचार्य पुरस्कार २०२४ से सम्मानित किया गया। प्रो. पदमवथम्मा ने जैन गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य किया है जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विजय कुमार जैन जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर ने किया। इस अवसर पर गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने जैन गणित के विषय में कहा कि गणित के द्वारा ही भूगोल एवं खगोल की गणना की जाती है। बिना गणित के कोई भी कार्य सम्भव नहीं है आज जैन गणित पर कार्य करने वालों की अत्यन्त आवश्यकता है भगवान ऋषभदेव ने युग की आदि में अपनी पुत्रियों को अंक विद्या सिखा करके इसी भूमि से अंकगणित का प्रतिपादन किया है। आज उसी भूमि पर एक महिला को महावीराचार्य पुरस्कार दिया जा रहा है ये अत्यन्त ही गौरव की बात है उनके लिए हमारा मंगल आशीर्वाद इसी शृंखला में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने अपना मंगल आशीर्वाद कार्यक्रम में आए भक्तों के लिए प्रदान किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथ प्रो. रेणु जैन कुलपति अहिल्या देवी विश्वविद्यालय ने भी अपने वक्तव्य में जैन गणित के बारे में प्रकाश डालते हुए शीघ्र ही अहिल्या देवी विश्वविद्यालय में गणित के विषय में अनेक कार्य सम्पन्न और उसके लिए सरकार के द्वारा अनेक योजनाएँ लागू हो रही हैं। अयोध्या तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी विद्वानों का आभार प्रदर्शन किया एवं जैन गणित के क्षेत्र में जो भी कार्य हो रहे हैं उन सबकी प्रशंसा की एवं पुरस्कार प्राप्त कर्ता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की अन्त में सम्पूर्ण कार्यक्रम में पधारे हुए विद्वानों का आभार प्रदर्शित करते हुए श्री अम्बुज जैन-गुरुग्राम (हरियाणा) ने कहा कि दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर एवं डॉ. अनुपम जैन परिवार अलग-अलग नहीं है हस्तिनापुर हमारा परिवार है बचपन से ही हम सबने हस्तिनापुर आने जाने का क्रम बना हुआ है। आज हमारे परिवार को ये गौरव प्राप्त हुआ पुरस्कार का समायोजन करने का ये हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर हम सभी का आभार ज्ञापित करते है।

नवकार ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवकार ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस मनाया। अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल द्वारा अवगत करवाया गया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडेरेशन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष,परम श्रद्धेय स्व.श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की पुण्यतिथि (5 सितम्बर)के अवसर पर फेडेरेशन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम शिक्षा दिवस - सम्मान के अन्तर्गत प्रोफेसर इन्द्र प्रभ जैन, प्रोफेसर मृदुला जैन का ग्रुप सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया। प्रोफेसर डॉ. सुशीला टोंग्या,ग्रुप की योजना मंत्री,पूर्व विभागाध्यक्ष, सोशियोलॉजी, राज.विश्व विद्यालय का शिक्षा दिवस पर वहां के सोशियोलॉजी विभाग के सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया।

शांतिनाथ भगवान की भक्ति से जीवन में शांति प्राप्त होती है : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान में अनेकों भक्तों ने अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की मालवीय नगर सेक्टर 7,चौमूंबाग जैन समाज जयपुर,निवाई,चाकसू, रूपनगढ़ के भक्तों ने मिलकर पूज्य आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। आज के चातुर्मास संयोजक परिवार श्रीमान ऋषभ कुमार जी सुरुचिका जैन गुड़गांव एवं श्रीमान भंवरलाल जी पवन कुमार जी बड़जात्या सपरिवार दूनी ने प्राप्त किया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज बुधवार के दिन विशेष शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रीमान प्रकाश जी शांतिलाल जी जैन ने प्राप्त किया। इसी के साथ भक्तों को पूज्य गुरु मां के प्रवचनों का लाभ भी प्राप्त हुआ। अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की जो भक्त श्रद्धा भक्ति एवं समर्पण के साथ भक्ति करता है उसके सारे कष्ट संकट बाधाएं स्वयं ही दूर हो जाती है। भक्ति का साक्षात फल अंजना सुलोचना चंदनबाला जैसे सतियों ने प्राप्त किया। क्यों ना हम भी भक्ति भाव से भक्ति कर अचिंत्य फल को प्राप्त करें। अतिशय क्षेत्र विज्ञातीर्थ पर यात्रियों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था कमेटी के द्वारा की गई है। भक्तगण व यात्रीगण इस क्षेत्र की वंदना कर अतिशय पुण्य कमाए।